MODEL QUESTIONS
FOR
MATRIC EXAMINATION
SUBJECT-HINDI
SET-1

(समय– 3घंटे 15 मिनट) (पूर्णांक–100)

प्रश्न1.(अ) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2= 12

साहित्य और समाज का संबंध जानने के लिए हमें पहले यह जानना होगा कि साहित्य क्या है ? इसका उद्देश्य क्या है ? सृष्टि में कोई भी प्राणी, पदार्थ या अन्य कुछ निरूद्देश्य नहीं है। मानव इस सृष्टि का सर्वोच्च प्राणी है। मानव ने अपने सतत् प्रयास और साधना से आज तक जो भी प्राप्त किया है उसमें साहित्य और कला उसकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि रही है। इसलिए साहित्य का मूल स्त्रोत मानव को ही माना गया है। इस प्रकार सहित्य का मूल उद्देश्य जीवन और समाज की कुरीतियों तथा सभी प्रकार की बुराईयों से हटाकर स्वस्थ, सुन्दर और आनन्दमय जीवन की ओर अग्रसर करना है। शब्द रचना की दृष्टि से साहित्य शब्द में दो शब्दों में हित का भाव पाते हैं। अर्थात जो रचना मानवता का हित साधन करती है वह ''साहित्य'' है। डा0 श्यामसुन्दर दास के अनुसार ''साहित्य'' वह है जो हृदय में अलौकिक आनन्द का या चमत्कार की सृष्टि करे। ''प्रेमचन्द ने कहा है ''साहित्य हमारे जीवन को स्वाभाविक और सुन्दर बनाता है।''

भारतीय आचार्यो के अनुसार रस प्राप्त करना या मनोरंजन पाना ही साहित्य का उद्देश्य है। यह तभी मिल सकता है जब मनुष्य का मन स्वस्थ व सहज हो। मानव जीवन और समाज संसार में सर्वोच्च है। ऐसी मान्यता है कि साहित्य कला, ज्ञान–विज्ञान, दर्शन, धर्म आदि जो कुछ भी संसार में है वह सब जीवन और मानव समाज के लिए ही है। मानव एक सामाजिक प्राणी है। वह जो कुछ भी सोचता या समझता है वह सब लिपिबद्ध होकर साहित्य कहलाता है। जब से मानव ने सोचना–विचारना, पढ़ना–लिखना सीखा है तभी से साहित्य समाज में आदान–प्रदान की यह प्रक्रिया भी चल रही है और तब तक चलती रहेगी जब तक मनुष्य में सोचने–समझने के गुण रहेंगे।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें।)

(क) इस सृष्टि का सर्वोच्च प्राणी कौन है ?
(ख) मानव की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि क्या है ?
(ग) साहित्य का मूल उद्देश्य क्या है ?
(घ) साहित्य किसे कहते है ?
(ड़) मनुष्य में सोचने–समझने के गुण कब तक बने रहेगें ?
(च) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

(ब) निम्नांकित को गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 4X2= 8

मैं बिहारी हूँ। मुझे बिहारी होने का गर्व है। बुद्ध की कर्मभूमि और महावीर की जन्मभूमि में जन्म लेकर मैं अपने–आप को भाग्यशाली मानता हूँ। इस प्रांत के वैशाली जिला के अन्तर्गत गोरौल थाना क्षेत्र में एक बड़ा गॉव है, जो शहर से दूर–सुदूर हरियाली और विभिन्न रंगीलियों तथा ऐतिहासिकता को समेटे हुए है जिसे सोन्धों नाम से जाना जाता है। जानकार बताते हैं कि प्राचीनकाल में कभी ''महेन्द्र सिंधु'' नामक कोई राजा यहाँ राज करते थे। शायद उन्हीं 'सिंधु' शब्द से 'सोधों' शब्द की उत्पति हुई। खैर जो भी हो लेकिन यहाँ की सभ्यता–संस्कृति पौराणिकता के आधार को अभी भी बनाऐ रखा है। नारायणी और पुण्यसलिला गंगा के तट पर अवस्थित वैशाली जिला राजधानी पटना के उत्तर गंगा पार है।

प्राचीन काल से ही सम्पूर्ण विश्व के लिए वैशाली प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। गणतंत्र की प्रथम लाली यहीं से फूटी और आज उसकी किरणें सम्पूर्ण जगत में फैली है। महावीर ने यहाँ जन्म लिया, जिन्होंने अपनी साधना और ज्ञान से विश्व की ज्ञान–पिपासा को शांत किया। महात्मा बुद्ध ने अपनी

अमृतमयी वाणी से संसार को सिंचित किया। प्रथम विश्वसुन्दरी होने का जो गौरव आम्रपाली को प्राप्त है जो यहीं मिली थी। महज यह तो एक जिले की बात है जबकि यहाँ अड़तीस जिले हैं। वे सब के सब एक से बढ़कर एक हैं। जिनकी अपनी पहचान है, अपनी परम्परा है, अपनी बोली है और अपनी सभ्यता–संस्कृति है। लेकिन एक बात सभी में सामान्य है और वह है श्रमशीलता, इस बिहार की श्रम क्षमता का पूरा देश कायल है। भारतवर्ष का कोई ऐसा प्रांत नहीं जहां कल–कारखानों के साथ कृषि–कार्य बिना बिहारियों के हो रहे हों। इस प्रकार देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ को बिहार ने मजबूती प्रदान की है। भले ही हमें कोई गाली दे, लेकिन हमारी उपादेयता सब पर है। अनन्तः एक बात समझ में आती है कि यदि यहाँ पूर्ण साक्षरता हो जाए और पलायन रूक जाए तो बिहार शायद भारत के विकसित प्रदेश के रूप में प्रसिद्ध हो जाएगा।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें।)

(क) सोन्धों शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई ?

(ख) वैशाली कहाँ अवस्थित है ?

(ग) भारत की अर्थव्यवस्था को किसने मजबूती प्रदान की है ?

(घ) बिहार ''विकसित प्रदेश'' कब बन सकता है ?

प्रश्न 2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक पर निबंध लिखें। 10

(क) <u>प्रदूषण की समस्या</u>

(i)भूमिका
(ii)प्रदूषण के प्रकार
(iii)प्रकृति और मानव पर कुप्रभाव
(iv)प्रदूषण के कारण और रोकथाम के उपाय
(v)उपसंहार

(ख) <u>परीक्षा का भय</u>

(i)भूमिका
(ii)भय क्यों
(iii)भय के दुष्प्रभाव
(iv)माता–पिता और गुरू का दायित्व
(v)उपसंहार।

(ग) <u>मेरी रेल यात्रा</u>

(i)भूमिका
(ii)पूर्ण तैयारी
(iii)यात्रा में संयम
(iv)उपलब्धि
(v)उपसंहार।

प्रश्न 3.आय प्रमाण–पत्र बनवाने के लिए अंचलाधिकारी को एक आवेदन पत्र लिखें। 5

अथवा

शिक्षक–छात्र संवाद परीक्षा की तैयारी विषय पर एक वार्तालाप प्रस्तुत करें।

अथवा

प्रश्न 4. वचन किसे कहते हैं। इनके भेदों को लिखें। 5

अथवा

कर्मधारय और बहुब्रीहि समास में अन्तर स्पष्ट करें।

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। 5**X**1= 5

(क) वर्णों के समूह को.....कहते है।
(ख) ''क्ष'' ''त्र'' ''ज्ञ''.....व्यंजन है।
(ग) भाई–बहन में.....समास है।
(घ) पाप का विलोम.....होता है।
(ड़) प्रेम .....वाचक संज्ञा है।

प्रश्न 6. निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करें:– 5**X**1= 5

(क) मैं, वह और तुम पढ़ोगे।
(ख) मोहन को चार गौए हैं।
(ग) मेरा प्राण सूख गया।
(घ) हमेशा ससावधान रहे।
(ड.) सच्ची बात सुनते ही उसकी चेहरा उतर गया।

प्रश्न 7.स्तम्भ 'अ' और 'ब' का सही मिलान करें। 6**X**1= 6

(1.) परम्परा का मूल्यांकन	(क) सुजाता
(2.) नगर	(ख)राम विलास शर्मा
(3.) हमारी नींद	(ग) अंबेडकर
(4.) श्रम विभाजन	(घ) वीरेन डंगवाल
(5.) अक्षर ज्ञान	(ड़) अशोक वाजपेयी
(6.) आविन्यों	(च)अनामिका

निर्देश:– (प्रश्न संख्या 8 से 12 (iii) और 13 से 17 (iii) तथा 18 से 20 तक के प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न 8. जाति के आधार पर श्रम–विभाजन अस्वाभाविक है कैसे ? 3

प्रश्न 9. काशू का चरित्र–चित्रण करें। 3

प्रश्न 10. बढ़ते नाखूनों द्वारा प्रकृति मनुष्य को क्या याद दिलाती है ? 3

प्रश्न 11. बहादुर का चरित्र–चित्रण करें ? 3

प्रश्न 12. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर दें:–

मेरे भाई और रिश्तेदार अच्छे ओहदों पर थे और उन सभी के यहाँ नौकर थे। मैं जब बहन की शादी में घर गया तो वहाँ नौकरों का सुख देखा। मेरी दोनों भाभियाँ रानी की तरह बैठकर चारपइयाँ तोड़ती थी, जबकि निर्मला को सबेरे से लेकर रात तक खटना पड़ता था। मैं ईर्ष्या से जल गया। इसके बाद नौकरी पर वापस आया तो निर्मला दोनों जून नौकर–चाकर की माला जपने लगी। उसकी तरह अभागिन और दुखियाँ स्त्री और भी कोई इस दुनिया में नहीं होगी। वे लोग दूसरे होते हैं, जिनके भाग्य में नौकर का सुख होता है।

(क)यह पंक्ति किस पाठ से अवतरित है ?
(ख)इस पाठ के लेखक कौन हैं ?
(ग) इस अवतरण का सारांश लिखें?

प्रश्न 13. 'राम नाम विरथे जगि जनमा' पद का सारांश अपने शब्दों में लिखें। 3

प्रश्न 14. रसखान रचित सवैयें का अर्थ अपने शब्दों में लिखें। 3

प्रश्न 15. कवि कहाँ अपने आसुओं को पहुँचाना चाहता है और क्यों ? 3

प्रश्न 16. ''स्वदेशी'' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ? 3

प्रश्न 17. निम्नांकित पद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों का उत्तर दें:–

भारतमाता ग्राम वासिनी
खेतों में फैला है श्यामल

धूल भरा मैला–सा आँचल
मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी।

(क)प्रस्तुत पंक्तियाँ किस शीर्षक से अवतरित है ? 1

(ख)इसके रचनाकार कौन है ? 1

(ग)उक्त पंक्तियों का भाव अपने शब्दों में लिखें ? 3

प्रश्न 18. नजम्मा का चरित्र–चित्रण करें। 3

प्रश्न 19. गुणनिधि का परिचय दीजिए। 3

प्रश्न 20. 'माँ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता लिखें। 4